



दैनिक विश्वमित्र

• हिन्दी का प्राचीनतम राष्ट्रीय दैनिक •

वर्ष 110 ■ संख्या 116

कोलकाता सोमवार ■ 28 अप्रैल, 2025 ■ बैशाख शुक्ल 1, सम्वत् 2082

मूल्य : 4 रुपए, कुल पृष्ठ 8 1

यूएई के राष्ट्रपति ने मोदी से की बात पहलगाम हमले की कड़ी निंदा



नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। सुबह अब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद जन जायद अंत नाहायन में भारत के प्रधानमंत्री नंदें मोदी से बात की ओर यूएई-कश्मीर के पहलगाम में हुए दिल दहला देने वाले आतंकवादी हमले की जमकर निंदा की। इस हमले ने 22 अप्रैल को 26 बुगुनाहों की जिंदागी छीन ली थी, जिसके बाद दुनियाभर के नेता और देश भारत के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं।

'आतंकवाद का कोई भी रूप बदौशत नहीं'

विदेश मंत्रालय के प्रबक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस बातचीत का जिक्र करते हुए बताया कि दोनों नेताओं ने एक स्वर में कहा, 'आतंकवाद का कोई भी रूप बदौशत नहीं!' यूई के राष्ट्रपति ने इस दुखद घड़ी में भारत के प्रति अपनी गहरी संवेदना और अट्रॉट समर्थन जताया। जायसवाल ने एक्स पर लिखा, 'शेख मोहम्मद ने एपीएम मोदी से फोन पर बात कर पहलगाम हमले में जान गंवाने वालों के लिए शोक जाया और इस धृष्णित कृत्य की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने भारत के साथ अपनी एकत्रुता दोहराई।'

पीएम मोदी ने जाताया आभार

प्रधानमंत्री मोदी ने यूई के राष्ट्रपति के इस संवेदनशील रूख के लिए उनका दिल से आभार जाताया। दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि आतंकवाद को किसी भी सूक्त में बद्धाना नहीं सकता। एपीएम मोदी ने दो टक्के शब्दों में कहा, 'इस हमले के गुहारों और उनके समर्थकों को न्याय के कठघोरे में लाया जाएगा। भारत का संकल्प अटल है!'

राजस्थान में जबरदस्त हीटर्ट

जयपुर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रदेश में आज 8 जिलों में तीव्र हीटर्ट चलने का अलर्ट आज हुआ है। इसमें जैसलमेर और बाड़मेर में अर्जेंश श्रीमी का अलर्ट जारी किया गया है। यहां दिन के साथ रात के समय भी भयंकर हीटर्ट वेक्स का असर देखने को मिल रहा है। इसके अलावा वह आईपीएल में सबसे तेज 4000 सन (गेंदों के मामले में) पूरे करने वाले भारतीय बन गए हैं। इसके अलावा वह आईपीएल में सबसे तेज 4000 सन (गेंदों के मामले में) पूरे करने वाले भारतीय बन गए हैं। उनसे आगे सिर्फ एकी डिविलियर्स और क्रिकेट बल्लेबाज के प्रभाव से मौसम में बदल देखने को मिलेगा। विकेट के प्रभाव से मई के पहले सप्ताह के दौरान प्रदेश में अधीक्षी और बारिश का दौर चल सकता है।

भीतर के पत्रों पर खास

- कुंए में मिरी तेज रफ्तार वैन, 10 की मोत पृष्ठ 2
- बंश गोपाल पार्टी से निष्कासित पृष्ठ 3
- अब कोलकाता में पलाइंग टैक्सी पृष्ठ 5

अजब गजब

कोई मुझे बताएं कि जो लाग कहीं के नहीं रहते, आखिर वो रहते कहाँ हैं? सब लाग इजट की रोटी कमाना चाहते हैं। लेकिन वो इजट की सब्जी क्यों नहीं कमाता...? भाड़ में जाने के लिए आटो ठीक रहेगा या टैक्सी? एक बात पूछनी थी, ये जो इजट का सवाल होता है... ये कितने मार्कस का होता है? एक बात पूछनी थी... यह जो दिन सेट होता है, उसमें लंच भी कर सकते क्या...?

सरकार सख्त, आतंक के खात्मे की तैयारी!

■ रक्षा मंत्री के साथ सीडीएस की अहम बैठक, बीएसएफ चीफ पहुंचे गृह मंत्रालय



रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ बैठक करते हुए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस)

कश्मीर के जंगलों और संवेदनशील इलाकों में सर्व ऑपरेशन तेज कर दिया है। कई संदिधें को हिसास में लिया गया है, और आतंकियों की तलाश के लिए सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और आम लोगों तक - हर कांड उद्धारन को लेकर बहुत उत्साहित है। चारों ओर साजाचर है। भगवान जगत्रात के स्वागत के लिए विभिन्न पूजा स्थलों पर हाम जय किए जा रहे हैं। मंदिर परसर घंटियों और तुरही की ध्वनि से मतवाला हो रहा है।

पाकिस्तान के खिलाफ कड़े फैसले

पहलगाम हमले में लक्ष्यनार-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन टीआरएफ द्वारा जिमेदारी लेने और पाकिस्तान के संदिध केनकरण के में देशनार भारत सरकार ने पहले ही कई सख्त कदम उठाए हैं। इनमें 1960 की सिंधु जल संधि को निलंबित करना, अरारी बार्डे चेकपोस्ट को बंद करना, पाकिस्तानी नागरिकों के लिए बीजा सेवाओं पर रोक, और भारत में मौजूद पाकिस्तानी राजनीतिकों को 48 घंटे में देश छोड़ने का आंदेश शमिल है। इसके अलावा, भारत ने इलामाबाद में अपने दूवासा को बंद करने का भी फैसला किया है।

मन की बात में बोले मोदी

पहलगाम के पीड़ितों को मिलकर रहेगा न्याय



नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नंदें मोदी ने आज 'मन की बात' कार्यक्रम को संबोधित किया ये उनके कार्यक्रम का 121वां एपिसोड है। पीएम नंदें मोदी ने अपने कार्यक्रम में पहलगाम हमले पर चर्चा की ओर पीड़ित परिवारों को न्याय के भरोसा दिलाया है। उन्होंने कहा, 'पूरा विश्व, आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में 140 करोड़ भारतीयों के साथ खड़ा है। मैं पीड़ित परिवारों को फिर भरोसा देता हूं कि उन्हें न्याय मिलकर रहेगा।'

झांग नंदें मोदी ने मन की बात को संबोधित करते हुए कहा, 'आज जब मैं आपसे "मन की बात" कर रहा हूं तो मन में गहरी पीड़ा है। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुई आतंकी वारदात ने देश के हर नागरिकों को न्याय के खिलाफ चलने वाले आतंकवादी हमले की जमकर निंदा की। उन्होंने भारत के साथ अपनी एकत्रुता दोहराई।'

पीएम मोदी ने जाताया आभार

प्रधानमंत्री मोदी ने यूई के राष्ट्रपति के इस संवेदनशील रूख के लिए उनका दिल से आभार जाताया। दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि आतंकवाद को किसी भी सूक्त में बद्धाना नहीं सकता। एपीएम मोदी ने दो टक्के शब्दों में कहा, 'यहां में गहरी पीड़ा है। इस हमले के गुहारों और उनके समर्थकों को न्याय के कठघोरे में लाया जाएगा। भारत का संकल्प अटल है!'

भारत से वापस लौटे 537 पाक नागरिक

ऐतिहासिक पल का इंतजार

ममता का दीघा दौरा आज



दीघा, 27 अप्रैल (नि.प्र.)। दीघा में जातायथ धारा के उद्घाटन की उठी गिनती शुरू हो गयी है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सोमवार को दीघा पहुंच रही है। प्रशंसकों से लेकर पर्यटकों और आम लोगों तक - हर कांड उद्घाटन को लेकर बहुत उत्साहित है। चारों ओर साजाचर है। भगवान जगत्रात के स्वागत के लिए विभिन्न पूजा स्थलों पर हाम जय किए जा रहे हैं। मंदिर परसर घंटियों और तुरही की ध्वनि से मतवाला हो रहा है।

इस बीच, पुरी के राजेश द्वैतपति और इस्कॉन प्रतिनिधि राधारमण दास के नेतृत्व में चरणबद्ध तरीके से होम जय का आयोजन किया जा रहा है। मंदिर परसर घंटियों और होमलों की छत के नीचे द्वैतपति के नेतृत्व में आज सुबह से ही महामंत्र जय चल रहा है। मंदिर परसर घंटियों और होमलों की स्थान के ज्ञानीय लोगों ने एक दिवाली की छत के नीचे द्वैतपति के नेतृत्व में आयोजित अंदरी बार्डे चेकपोस्ट को बंद करना, पाकिस्तानी नागरिकों के लिए बीजा सेवाओं पर रोक, और भारत में मौजूद पाकिस्तानी राजनीतिकों को 48 घंटे में देश छोड़ने का आंदेश शमिल है। इसके अलावा, भारत ने इलामाबाद में अपने दूवासा को बंद करने का भी फैसला किया है।

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। अटरी बार्डे से लगातार पाकिस्तानी नागरिकों को वास्तव में भेजा जा रहा है। अटरी बार्डे पर पंजाब पुलिस के प्रोटोकॉल अधिकारी अराम महल के मुताबिक चार दिनों में 537 पाकिस्तान के नागरिक अटरी बार्डे से पाकिस्तान गए हैं। जबकि इसी दौरान 850 भारतीय नागरिक पाकिस्तान से भारत वापिस आए हैं। भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों के भारत छोड़ने के लिए 48 घंटे का समय दिया था।

मेडिकल बीजा वालों के लिए

29 अप्रैल तक डेलाइन

12 तरह के बीजा वालों के लिए 27 अप्रैल को भारत छोड़ने की डेलाइन खत्म हो गई। जिनके पास सार्क बीजा था उनके लिए 17 स्थित एक बार्डे के अनुसार, आग की घटना में कॉलोनी काफर स्टेशन के सब-ऑफिस भीमसेन ने एनएआई को बताया कि उन्हें दोपहर 12:07 बजे लक्ष्मी नगर से आईडीओ की ओर जाने वाले गोले पर पेंडे में आग लाने की सूचना मिली। उन्होंने कहा, तीन गाड़ियां घटनास्थल पर हैं। आग पर काबू पा लिया गया है। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

तोड़ने की कार्बाई तेज जा रही है। आतंकियों को फँड



दैनिक विश्वमित्र और हिन्दुस्तान क्लब की साझा पहल में आयोजित परिचर्चा में विशेषज्ञों के उद्गार

बहुत जरूरी है शिक्षा, संस्कार और संस्कृति का संगम

दैनिक विश्वमित्र
विशेष

कोलकाता, 27 अप्रैल (नि.प्र.)। वर्तमान युग में, जब शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है और तकनीकी विकास ने जीवन के मूल्यों को चुनौती दी है, तब 'आधुनिक शिक्षा और पारंपरिक मूल्य' पर गंभीर चिंतन और सवाल की आवश्यकता पहले से कई अधिक हो गई है। इसी दिशा में दैनिक विश्वमित्र ने प्रतिष्ठित हिन्दुस्तान क्लब के सहायण से एक विचारकील घैल चर्चा का आयोजन किया, जो इस महत्वपूर्ण विषय को आगे बढ़ाने का एक सहानीय प्रयास था। इस चर्चा में शिक्षा और उद्योग क्षेत्र की कई जानी-मानी हस्तियां ने भाग लिया और अपने अनुभवों एवं विचारों से इस विषय को और भी गहरा किया।

दैनिक विश्वमित्र के प्रधान संपादक श्री प्रकाश चंद्र अग्रवाल ने ग्रीष्मायनी उपस्थिति के दौरान एक विश्वमित्र को और भी प्रभावी बना दिया तबकाओं ने आधुनिक शिक्षा के महत्व और साथ ही पारंपरिक मूल्यों के संरक्षण के लिए एक सशक्त सवाल किया, यह दृष्टि हुए कि कैसे हम दोनों के बीच संतुलन स्थापित कर सकते हैं। इस अवसर पर दैनिक विश्वमित्र संपादकीय विभाग के प्रभारी श्री प्रदीप शुक्ल ने अपनी सुसंकृत शैली में अतिथियों का स्वागत किया। साथ ही, विश्वमित्र की निदेशक सुश्री आद्या अग्रवाल ने भी अपनी सक्रिय और प्रभावी भूमिका निभाते हुए अतिथियों का स्वागत किया और कार्यक्रम के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

हिन्दुस्तान क्लब के अध्यक्ष श्री क्रष्ण सी. कोठारी ने अपने गृह बवत्य में कहा कि 'आधुनिक शिक्षा और पारंपरिक मूल्य' एक-दूसरे के विराधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। दोनों ही शाश्वत हैं और समय के साथ न तो पुराने होते हैं, न अप्राप्यता। इसका सबसे सुन्दर उदाहरण हमारा देश स्वयं है, जहाँ शिक्षा ने सदैव आधुनिकता की ओर प्रगति की है, वहाँ पारंपरिक मूल्य हमारी संस्कृति की गहरी जड़ों में आज भी जीवित है। अध्यात्मिकता हमारी सांस्कृतिक पहचान का मूल तत्व है। आवश्यकता है केवल दृष्टिकोण और आधुनिकता और परंपरा के बीच एक सुन्दर संतुलन बना रहे। यह विषय समाज को नई दिशा देने की क्षमता खेता है। हमें समय के साथ आगे बढ़ते हुए अपनी परंपराओं की गरिमा और मूल्यों को सहेजकर रखना होगा।

आदित्य विडिला युग के सीनियर प्रेसिडेंट ज्ञान भारती विद्यालय के अध्यक्ष श्री आर पी पंसरी बोलते हुए, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. प्रेम शंकर विपाठी, विश्वमित्र संपादक श्री प्रकाश चंद्र अग्रवाल, हिन्दुस्तान क्लब के सम्मानित करते हुए विश्वमित्र संपादक प्रदीप कुमार अग्रवाल एवं एस्ट्रो कैरियर काउंसिलर श्री आलोक कुमार। श्री आर पी पंसरी को सम्मानित करते हुए विश्वमित्र की और भी गहरा किया।



कार्यक्रम मंच पर विराजमान शिक्षायतन फाउंडेशन के महासचिव सीपी विनोद अग्रवाल, एम.पी. विडिला फाउंडेशन हायर सेकेंडरी स्कूल के सीईओ श्री एस के सिंह, ज्ञान भारती के ट्रस्टी-मानद सचिव श्री शरद केडिया, आदित्य विक्रम प्रेसिडेंट-ज्ञान भारती विद्यालय के अध्यक्ष श्री आर पी पंसरी बोलते हुए, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. प्रेम शंकर विपाठी, विश्वमित्र संपादक श्री प्रकाश चंद्र अग्रवाल, हिन्दुस्तान क्लब के अध्यक्ष ऋषभ सी. कोठारी, वाइस चांसलर प्रो. (डॉ.) सोमा बंद्योपाध्याय, हेरिटेज युप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के सीईओ प्रदीप कुमार अग्रवाल एवं एस्ट्रो कैरियर काउंसिलर श्री आलोक कुमार। श्री आर पी पंसरी को सम्मानित करते हुए विश्वमित्र संपादक प्रदीप कुमार अग्रवाल।



श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल एवं डॉ. सोमा बंद्योपाध्याय को सम्मानित करती हुई दैनिक विश्वमित्र की निदेशक सुश्री आद्या अग्रवाल। डॉ. प्रेम शंकर विपाठी, श्री ऋषभ सी. कोठारी एवं श्री सी एस सारदा को सम्मानित करते हुए श्री प्रदीप शुक्ल।



श्री एस के सिंह को सम्मानित करते हुए सरदार जगजीत सिंह, सी एवं विनोद अग्रवाल को श्री विपिन राय, श्री शरद केडिया को सुश्री श्रेया शुक्ला, श्री आलोक कुमार को श्री राजीव लोदा एवं उद्योगपति श्री पवन पाटोदिया को सम्मानित करते हुए विश्वमित्र के शुभचित्रक श्री बी एन धनुका।



आदित्य एकेडेमी की वरिष्ठ अधिकारी श्रीमती सविता साहा को सम्मानित करती हुई लांचरेज पी आर की निदेशक एवं कार्यक्रम की संचालिका श्रीमती नवनीत लोदा। दूसरी तरफ विश्वमित्र की ओर से सम्मान ग्रहण करते हुए हिन्दुस्तान क्लब के पूर्व अध्यक्ष श्री संतोष जैन, वरिष्ठ समाजसेवी श्री राजकुमार बोथरा। श्री आर पी पंसरी को जनजागरण सेवा ट्रस्ट की पंचांग पुस्तिका भेंट करते हुए संस्था के ट्रस्टी श्री बी एन धनुका।



कार्यक्रम के सहसंचालक श्री कमल शर्मा। विडिला हाईस्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती लवलीन सहगल, सृजन रियल्टी युप के चेयरमैन श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल, हिन्दुस्तान क्लब के पूर्व अध्यक्ष द्वय श्री सीताराम शर्मा एवं श्री संतोष सराफा सुपरिचित समाजसेवी श्री सुशील कुमार चौधरी, युवा उद्यमी श्री संजय सुरेश।

विशेष प्रयास करती हो गया है। श्री अग्रवाल ने नई शिक्षा नीति को इस विषय की गमीनता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसका उद्देश्य दोनों पहलुओं के अंतर को समझना होगा।

आधुनिक शिक्षा कोई भी उत्तराधिकारी नहीं है, प्राचीन काल में भी प्रयोगशालाएँ थीं और साथ ही परंपरागत मूल्य भी विद्यमान थे। हम इसके बच्चों को सर्वोत्तम शिक्षा प्राप्त हैं, परंतु परंपरागत मूल्यों – जैसे ईनानदरी, सत्यानिष्ठा, सहानुभूति, कठिन परिश्रम, बड़ों का आदर और परिवार के सदस्यों के प्रति दावित – को लेकर विशेष प्रयास नहीं हो रहे हैं। समय के साथ परिवर्तन आया है और वह एक साथ शिक्षा की गहरी जड़ों में आज भी जीवित है। यह एक अध्यात्मिकता हमारी सांस्कृतिक पहचान का मूल तत्व है। आवश्यकता है केवल दृष्टिकोण और आधुनिकता और परंपरा के बीच एक सुन्दर संतुलन बना रहे। यह विषय समाज को नई दिशा देने की क्षमता खेता है। हमें समय के साथ आगे बढ़ते हुए अपनी परंपराओं की गरिमा और मूल्यों को सहेजकर रखना होगा।

आधुनिक शिक्षा कोई भी उत्तराधिकारी नहीं है, प्राचीन काल में भी प्रयोगशालाएँ थीं और साथ ही परंपरागत मूल्य भी विद्यमान थे। हम इसके बच्चों को सर्वोत्तम शिक्षा प्राप्त हैं, परंतु परंपरागत मूल्यों – जैसे ईनानदरी, सत्यानिष्ठा, सहानुभूति, कठिन परिश्रम, बड़ों का आदर और परिवार के सदस्यों के प्रति दावित – को लेकर विशेष प्रयास नहीं हो रहे हैं। समय के साथ आगे बढ़ते हुए अपनी परंपराओं की गरिमा और मूल्यों को सहेजकर रखना होगा।

विशेष प्रयास करती हो गया है। श्री अग्रवाल ने नई शिक्षा नीति को इस विषय की गमीनता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसका उद्देश्य दोनों पहलुओं के अंतर को समझना होगा।

आधुनिक शिक्षा कोई भी उत्तराधिकारी नहीं है, प्राचीन काल में भी प्रयोगशालाएँ थीं और साथ ही परंपरागत मूल्य भी विद्यमान थे। हम इसके बच्चों को सर्वोत्तम शिक्षा प्राप्त हैं, परंतु परंपरागत मूल्यों – जैसे ईनानदरी, सत्यानिष्ठा, सहानुभूति, कठिन परिश्रम, बड़ों का आदर और परिवार के सदस्यों के प्रति दावित – को लेकर विशेष प्रयास नहीं हो रहे हैं। समय के साथ आगे बढ़ते हुए अपनी परंपराओं की गरिमा और मूल्यों को सहेजकर रखना होगा।

आधुनिक शिक्षा कोई भी उत्तराधिकारी नहीं है, प्राचीन काल में भी प्रयोगशालाएँ थीं और साथ ही परंपरागत मूल्य भी विद्यमान थे। हम इसके बच्चों को सर्वोत्तम शिक्षा प्राप्त हैं, परंतु परंपरागत मूल्यों – जैसे ईनानदरी, सत्यानिष्ठा, सहानुभूति, कठिन परिश्रम, बड़ों का आदर और परिवार के सदस्यों के प्रति दावित – को लेकर विशेष प्रयास नहीं हो रहे हैं। समय के साथ आगे बढ़ते हुए अपनी परंपराओं की गरिमा और मूल्यों को सहेजकर रखना होगा।

आधुनिक शिक्षा कोई भी उत्तराधिकारी नहीं है, प्राचीन काल में भी प्रयोगशालाएँ थीं और साथ ही परंपरागत मूल्य भी विद्यमान थे। हम इसके बच्चों को सर्वोत्तम शिक्षा प्राप्त हैं, परंतु परंपरागत मूल्यों – जैसे ईनानदरी, सत्यानिष्ठा, सहानुभूति, कठिन परिश्रम, बड़ों का आदर और परिवार के सदस्यों के प्रति दावित – को लेकर विशेष प्रयास नहीं हो रहे हैं। समय के साथ आगे बढ़ते हुए अपनी परंपराओं की गरिमा और मूल्यों को सहेजकर रखना होगा।

आधुनिक शिक्षा कोई भी उत्तराधिकारी नहीं है, प्राचीन काल में भी प्रयोगशालाएँ थीं और साथ ही परंपरागत मूल्य भी विद्यमान थे। हम इसके बच्चों को सर्वोत्तम शिक्षा प्राप्त हैं, परंतु परंपरागत मूल्यों – जैसे ईनानदरी, सत्यानिष्ठा, सहानुभूति, कठिन परिश्रम, बड़ों का आदर और परिवार के सदस्यों के प्रति दावित – को लेकर विशेष प्रयास नहीं हो रहे हैं। समय के साथ आगे बढ़ते हुए अपनी परंपराओं की गरिमा और मूल्यों को सहेजकर रखना होगा।</p